मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 292
मंगलवार, 12 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती: पीएम मोदी

सोमनाथ, 11 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया। भगवान शिव को समर्पित और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक यह मंदिर, भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत को प्रतिबिंबित करने वाले भव्य समारोहों का केंद्र था। यह महोत्सव भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर की प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हेलीपैड से वीर हमीरजी सर्कल तक एक रोड शो भी किया, जहां लगभग डेढ़ किलोमीटर के इस मार्ग पर हजारों लोग उनका स्वागत करने के लिए जमा हुए। प्रधानमंत्री के गुजरते समय नागरिकों ने झंडे लहराए, नारे लगाए और उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समय खुद जिनकी इच्छा से प्रकट होता है, जो स्वयं कालातीत हैं, जो स्वयं काल स्वरुप हैं, आज उन देवाधिदेव महादेव की विग्रह प्रतिष्ठा के हम 75 वर्ष मना रहे हैं। ये सृष्टि जिनसे सृजित होती है, जिनमें लय हो जाती है। आज हम उनके धाम के पुनर्निर्माण का उत्सव मना रहे हैं। जो हलाहल पीकर नीलकंठ हो गए, आज उन्हीं की शरण में यहां सोमनाथ अमृत महोत्सव हो रहा है। ये सब भगवान सदाशिव की ही क्रीड़ा है। मोदी ने कहा कि दादा सोमनाथ के अनन्य भक्त के रूप में मैं कितनी बार यहां आया हूं, कितनी ही बार उनके सामने नतमस्तक हुआ हूं। लेकिन आज जब मैं यहां आ रहा था, तो समय की ये यात्रा एक सुखद अनुभूति दे रही थी। उन्होंने कहा कि अभी कुछ ही महीने पहले मैं यहां आया था, तब हम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहे थे। प्रथम विध्वंस के 1,000 वर्ष बाद भी सोमनाथ के अविनाशी होने का गर्व

और आज इस आधुनिक स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष, हम केवल 2 आयोजनों का हिस्सा भर नहीं बनें, हमें हजार वर्षों की अमृत यात्रा को अनुभव करने का शिवजी ने मौका दिया है। उन्होंने कहा कि 75 साल पहले... आज के ही दिन सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना... ये कोई साधारण अवसर नहीं था। अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था... तो, 1951 में सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने... भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। मैं यहां देख रहा हूं कि सोमनाथ का अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं है। ये अगले 1 हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है। आज का दिन एक और वजह से भी विशेष है। 11 मई, 1998 यानी आज के ही दिन देश ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था। देश ने 11 मई को पहले 3 परमाणु परीक्षण किए। हमारे वैज्ञानिकों ने भारत के सामर्थ्य को, भारत की क्षमता को दुनिया के सामने रखा। दुनिया में तूफान आ गया कि भारत कौन होता है, उसकी ये हैसियत, जो परमाणु परीक्षण करें।

मोदी ने कहा कि दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने के लिए मैदान में उतरी, अनेक प्रकार के बंधन लग गए, आर्थिक संभावनाओं के सारे रास्ते बंद कर दिए गए। 11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी। लेकिन 13 मई को फिर 2 और परमाणु परीक्षण हुए थे। उससे दुनिया को पता चला था कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है। उस समय पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था। लेकिन अटल जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने दिखाया था कि हमारे लिए राष्ट्र प्रथम है। दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती। देश ने पोखरण परमाणु परीक्षण को ऑपिरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि, शिव के साथ शक्ति की आराधना ही हमारी परंपरा रही है।

ब्रिटेन में चीन के सीक्रेट जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश, यूके ने चीनी राजदूत किया तलब

ब्रिटेन, 11 मई। ब्रिटेन और चीन के रिश्तों में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। लंदन की अदालत द्वारा दो लोगों को चीन के लिए जासूसी करने का दोषी ठहराए जाने के बाद ब्रिटेन ने चीन के राजदूत झेंग जेगुआंग को तलब कर कड़ी नाराजगी जताई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि देश के भीतर किसी विदेशी सरकार द्वारा डराने, निगरानी करने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश ब्रिटेन की संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लंदन की सेंट्रल क्रिमिनल कोर्ट ने वाई ची-लेउंग और युएन चुंग-बियू नाम के दो लोगों को चीन की ओर से जासूसी करने का दोषी पाया।

दोनों पर आरोप था कि वे ब्रिटेन में रह रहे हांगकांग समर्थक लोकतंत्र कार्यकताओं की निगरानी कर रहे थे और उनकी जानकारी बीजिंग तक

पहुंचा रहे थे। वाई ची-लेउंग पहले ब्रिटेन के इमिग्रेशन विभाग में काम कर चुका था। जांच एजेंसियों के अनुसार उसने हीथ्रो एयरपोर्ट पर ब्रिटिश बॉर्डर फोर्स में नौकरी के दौरान सरकारी डेटाबेस का गलत इस्तेमाल किया और निजी जानकारियां जुटाईं।

ब्रिटिश जांच एजेंसियों का कहना है कि दोनों आरोपी हांगकांग सरकार से जुड़े लोगों के संपर्क में थे। उन पर ब्रिटेन में शरण लिए हांगकांग लोकतंत्र समर्थकों की गतिविधियों पर नजर रखने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक मशहूर लोकतंत्र समर्थक नेता नाथन लॉ की भी कई वर्षों से निगरानी की जा रही थी।

ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने साफ कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। मंत्रालय ने चीन को चेतावनी दी कि ब्रिटेन की धरती पर किसी भी तरह की विदेशी जासूसी स्वीकार नहीं की जाएगी।

दूसरी तरफ चीन ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश करार दिया है। चीन के दूतावास ने कहा कि ब्रिटेन एंटी-चाइना राजनीतिक खेल बंद करे।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक की डसॉल्ट सिस्टम्स के साथ साझेदारी- डिजिटल तकनीक से ई-मोबिलिटी को नई दिशा

दिल्ली/हैदराबाद, 11 मई। भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक बस निमार्ता कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने अब डिजिटल तकनीक की ओर बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने डसॉल्ट सिस्टम्स के 3DEXPERIENCE प्लेटफॉर्म को अपनाने का निर्णय लिया है। इससे इलेक्ट्रिक बस और ट्रक का विकास और भी तेज, स्मार्ट और वैश्विक मानकों के अनुरूप होगा।

यह प्लेटफॉर्म डिजाइन, उत्पादन, सिमुलेशन और सहयोग को एक ही डिजिटल मंच पर लाता है। इससे वाहन को वास्तविक रूप देने से पहले वर्चुअल दुनिया में उसकी जांच और परीक्षण संभव होगा।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के प्रबंध निदेशक महेश बाबू ने कहा, भविष्य की मोबिलिटी इलेक्ट्रिक और

डिजिटल होगी। हम विश्वस्तरीय बस और ट्रक प्लेटफॉर्म बनाने में निवेश कर रहे हैं। डसॉल्ट सिस्टम्स के साथ साझेदारी हमें तेज, स्मार्ट और सटीक डिजाइन करने में मदद करेगी। डसॉल्ट सिस्टम्स इंडिया के प्रबंध निदेशक दीपक एनजी ने कहा, आने वाले समय में वाहन पहले वर्चुअल दुनिया में तैयार होंगे और फिर सड़कों पर उतरेंगे। ओलेक्ट्रा के साथ हमारा सहयोग भारत की ई-मोबिलिटी को नई ताकत देगा।

ओलेक्ट्रा ने अब तक देशभर में 3,800 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन उतारे हैं। कंपनी के पास 10,000 से ज्यादा वाहनों का ऑर्डर बुक है और उसने 550 मिलियन से अधिक ग्रीन किलोमीटर पूरे किए हैं।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत को हरी झंडी

कोलकता, 11 मई। पश्चिम बंगाल सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को लागू करने और केंद्र सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को राज्य भर में कार्यान्वित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को नबन्ना में नवगठित भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद यह घोषणा की। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सुशासन, सुरक्षा और दो इंजन वाली सरकार की नई यात्रा देश के अन्य भाजपा शासित राज्यों में अपनाए गए विकास पथ पर ही आगे बढ़ेगी। उन्होंने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्शों और जनता के लिए, जनता द्वारा, जनता की के सिद्धांत के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। नए राज्य मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं, प्रशासन और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों को लंबे समय बाद राज्य में भयमुक्त, हिंसामुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए आभार और बधाई व्यक्त की।

सरकार ने भारतीय जनता पार्टी के 321 शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और राजनीतिक हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, सरकार ने बीएसएफ को आवश्यक भूमि सौंपने की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। मुख्य सचिव और भूमि एवं भूमि सुधार विभाग को 45 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने आयुष्मान भारत योजना में शामिल होने का भी आधिकारिक निर्णय लिया है। स्वास्थ्य सचिव और

मुख्यमंत्री कार्यालय के सलाहकारों को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ आवश्यक समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

राज्य में केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं, जिनमें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री कृषक बीमा योजना, पीएम श्री योजना, विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना और उज्ज्वला योजना शामिल हैं, को सक्रिय रूप से लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी आवेदनों को संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों को शीघ्रता से अग्रेषित करें। प्रशासनिक सुधारों के तहत, राज्य के आईएएस अधिकारी अब अन्य राज्यों में अपनाई जाने वाली प्रथाओं के अनुरूप केंद्र सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेंगे, विज्ञप्ति में यह कहा गया है। सरकार ने पश्चिम बंगाल को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के साथ पूरी तरह से संरेखित करने का भी निर्णय लिया है। शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने के लिए सरकारी नौकरी के आवेदनों की ऊपरी आयु सीमा में पांच वर्ष की वृद्धि की गई है।

भीषण हादसा: पेट्रोल पंप पर टैंकर खाली करते समय लगी आग, 13 लोग झुलसे

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के पचोर में सोमवार रात एक बड़ा हादसा हो गया, जहां एक पेट्रोल पंप पर ईंधन खाली करते समय अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में कई लोगों के झुलसने की खबर है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात करीब 20 हजार लीटर (20 केएल) पेट्रोल और डीजल से भरा एक टैंकर पंप पर खाली किया जा रहा था। जिस वक्त टैंकर खाली हो रहा था, उसी दौरान कई लोग अपनी गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल भरवा रहे थे। तभी अचानक वहां आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया।

आग इतनी तेज थी कि उसने तुरंत ही पूरे पेट्रोल पंप, वहां खड़ी बाइकों और टैंकर को अपनी चपेट में ले लिया।

सिद्धरमैया का प्रधानमंत्री मोदी पर पलटवार, बोले- 'आरोप लगाने से पहले तैयारी करनी चाहिए'

कर्नाटक, 11 मई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण में पाखंड का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि अगली बार राज्य की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाने से पहले उन्हें तैयारी करनी चाहिए। सिद्धरमैया ने दावा किया कि कर्नाटक में भाजपा की हालत ऐसी हो गई है, जहां नेता एक-दूसरे को नीचे खींचने और ₹राजनीतिक आत्मघात₹ में लगे हैं। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री को पहले अपने ढहते मकान को संभालना चाहिए, उसके बाद हमारे बारे में बात करनी चाहिए। मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया मोदी के रविवार को दिए गए उस बयान पर आई, जिसमें प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर कर्नाटक में आंतरिक

सत्ता संघर्ष के कारण सुशासन प्रदान करने में नाकाम रहने और जनता से विश्वासघात" का आरोप लगाया था। मोदी ने कांग्रेस को परजीवी पार्टी भी बताया था। सिद्धरमैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्पष्ट करना चाहिए कि रविवार को बेंगलुरु में दिया गया उनका भाषण देश के प्रधानमंत्री के रूप में था, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के रूप में था या कर्नाटक में विपक्ष के नेता के रूप में। जनता के मन में पैदा हुई इस उलझन को उन्हें दूर करना चाहिए।

सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2026 फाइनल को लेकर की बड़ी भविष्यवाणी, बताया किन टीमों के बीच होगी खिताबी जंग

नई दिल्ली, 11 मई। भारत के पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2026 की फाइनलिस्ट टीमों को चुना है। गावस्कर ने उन्हें चुनने के पीछे का कारण भी बताया है। दिग्गज बल्लेबाज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स को एक बार फिर से फाइनल में खेलते हुए देख रहे हैं। इन दोनों टीमों के बीच पिछली बार भी खिताबी जंग हुई थी, जहां बेंगलुरु ने पहली बार खिताब पर कब्जा जमाया था।

अब गावस्कर का मानना है कि इन्हीं दोनों टीमों के बीच एक बार फिर से फाइनल मुकाबले खेला जा सकता है। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खराब प्रदर्शन को लेकर भी बात की है। उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आता रहता

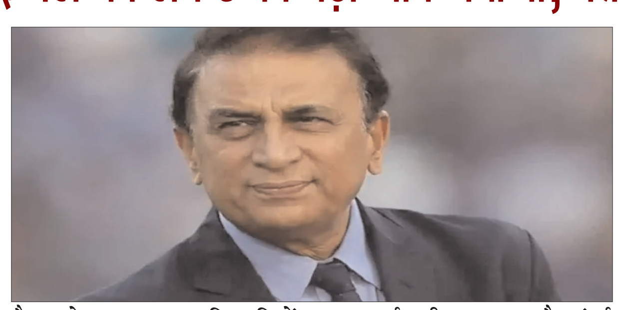

है। इसके अलावा कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी खराब रहा है। मुंबई आईपीएल 2026 के प्लेऑफ से बाहर होने वाली लखनऊ के बाद दूसरी टीम बन गई है। जियोस्टार पर बात करते हुए गावस्कर ने कहा, मैं पंजाब किंग्स के साथ हूं। कभी-कभी ऐसा होता है कि हार की वजह से टीमें फिर से अपना ध्यान केंद्रित कर पाती हैं। अति-आत्मविश्वास होने से भी बचने में मदद मिलती है। दिल्ली ने कई ऐसे मैच हारे हैं, जिसमें उन्हें जीत हासिल करनी चाहिए थी। पंजाब को ये पता है कि कितना महत्वपूर्ण स्टेज है। वे नहीं चाहेंगे कि एक और हार उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करे। मुझे लगता है कि पंजाब और बेंगलुरु फाइनल में खेलेंगे। बेंगलुरु ने रविवार को मुंबई के खिलाफ जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपना दावा और भी मजबूत कर लिया है।

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार “पकड़वा विवाह” के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम “नारी शक्ति” और “बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ” जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह “सॉफ्टवेयर क्राइम” का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे।

आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजि असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम वास्तव में 2047 तक एक आदर्श, विकसित और सभ्य भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो अपराधमुक्त समाज निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। समाज में नैतिक चेतना, संवेदनशीलता और कानून के प्रति सम्मान का वातावरण निर्मित करना होगा। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां विकास केवल इमारतों और तकनीक में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा में भी दिखाई दे।

सिनेमाई नायक से जननायक बनने की विजय यात्रा

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

भारत की राजनीति विविध रंगों से सजी हुई हैं। राज्यों की राजनीति की ये सजावट वक़्त के साथ बदलती भी रहती हैं। पांच राज्यों के हालिया चुनाव में भी राजनीति के विविध रंग नजर आए। विविधताओं से भरी राजनीति सिर्फ राजनैतिक दलों के झंडो की विविधता के रूप में ही नहीं दिखती, यह विभिन्न राजनैतिक विचारों के रूप में भी नजर आती हैं। यह लोकतंत्र की सजावट हैं। पांच राज्यों के चुनावों में सबसे अधिक सुर्खियों में रहा पश्चिम बंगाल जंहा भाजपा के मजबूत संगठन ने ममता बेनर्जी के अभेद किले को भेदने में सफलता पाई। यहाँ शुभेन्दु अधिकारी के नैतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। असम में हेमंत विश्वशर्मा ने अपना जादू बरकरार रखा। केरलम में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया। पूंडूचेरी में एनडीए गठबंधन विजय रहा। किंतु इन सबसे अलग, सबसे जुदा और परिवर्तनकारी सुर्खियां तमिलनाडु ने बटोरी जंहा राजनीति के मैदान में महज दो बरस पहले निर्मित एक नए नवेले राजनितिक दल के नेता थालपति विजय ने परदे के नायक की छवि के बल पर विधानसभा चुनाव में सफलता प्राप्त कर 60 सालो से भी अधिक समय से राजनीति कर रहे स्थापित दलों को धुल चटाई। थलापति विजय का 10 मई 2026 को चैन्नई के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करना एक फिल्मी अभिनेता का असल राजनीति में महज नेता बन जाने की कहानी भर नहीं, यह राज्य के मुखिया याने मुख्यमंत्री के पद पर काबिज होने की सफलतम कहानी हैं। यह कहानी भी फिल्म जैसी हैं। किंतु सच ये हैं की यह फिल्मी नहीं असल कहानी हैं। सिनेमाई किरदार को लेखक लिखता भी गढ़ता भी इसमें थोड़ी असली कहानी के साथ कल्पनाशीलता होती हैं। परदे का यह नायक बेईमानी के खिलाफ लडता हैं। गुंडों, बलात्कारियों, शराब तस्करों का भंडाफोड़ करता हैं। जनता के लिए लड़कर दर्शकों को ईमानदारी और नैतिकता का पाठ पढ़ाता हैं। जीवन की वास्तविकताओं से बिल्कुल अलग फिल्मी कहानी को महज तीन घंटे में प्रदर्शित करना होता हैं। हिंदी सिनेमा की नायक फिल्म में एक दिन का मुख्यमंत्री राज्य की बेहतरी के लिए फटाफट त्वरित निर्णय लेकर स्थापित मुख्यमंत्री की चुनौती को स्वीकार करता हैं। अपने कार्य से जन समस्या का त्वरित निराकरण फिल्म में ही सम्भव हैं। असल राजनीति में यह सम्भव नहीं हैं। इस फिल्म में नायक अनिल कपूर के अभिनय की तारीफ हुई थी। फिल्म ने उनकी छवि को निखारा भी था।

तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण करने वाले थालपति विजय के सामने अब फिल्मी नायक की छवि को बरकरार रखने का बड़ा सवाल खड़ा हुआ हैं। वह इसलिए की राज्य की असल राजनीति अनेकों बुराइयों से घिरी हुई होती हैं। असल में मुख्यमंत्री सम्पूर्ण राज्य का होता हैं। किंतु वह अपनी पार्टी के विधायक दल का नेता होता हैं। इस कारण अपनी राजनैतिक पार्टी के संरक्षण का जिम्मा भी उसी का होता हैं। एक मुख्यमंत्री जब विकास राशि का वितरण कर रहा होता हैं तब उसे अपनी पार्टी के विधायकों का अधिक ध्यान रखता होता हैं। अभी जैसे एक राजनैतिक जुमला डबल इंजिन की सरकार के रूप में प्रचलित हैं। इस राजनैतिक जुमले का अर्थ ही यही हुआ की केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होगी तभी विकास तेजी से होगा।

राजनैतिक दल जनता के द्वारा दी गयी धनराशि से नहीं चलाया जा सकता हैं। यह बड़े-बड़े उद्योगपतियों के दिए मोटे चंदे से चलता हैं। यह ओद्योगिक घराने चंदा देकर व्यवसायिक लाभ कमाने में माहिर होते हैं। फिल्मी नायक तो फिल्म में इस व्यवस्था का विरोधी होता हैं। किंतु थालपति विजय इन बुराइयों का असल मुख्यमंत्री रहते कैसे सामने कर पाते हैं, यह देखने वाली बात होगी। राजनीति में व्याप्त भाई भतीजा वाद से निपटना विजय के लिए खासा मशक्कत भरा हो सकता हैं। ऐसा नहीं हैं की थालपति विजय के पूर्व तमिलनाडु में कोई फिल्मी अभिनेता मुख्यमंत्री नहीं बना हो। एमजी रामचंद्रन वर्ष 1977 से 1987 तक 10 बरस तमिलनाडु के सीएम रहे हैं। जयललिता एक लोकप्रिय अभिनेत्री रही जो मुख्यमंत्री बनी, एम करुणानिधि तमिल फिल्मो के पटकथा लेखक से राजनेता बने तमीलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। किंतु इन तीनो को मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने में लम्बा समय लगा, जबकि विजय को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने के लिए महज दो साल का सघर्ष करना पढ़ा इस लिहाज से तमिलनाडु की जनता ने थालपति विजय को कम समय में ही मुखिया की कुर्सी पर बैठा दिया।

अब सवाल यह उठता हैं की फिल्म में नायक का किरदार निभाने वाले सुपर स्टार असल जीवन की काँटों भरी राजनीति में तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उसी तरह जनता के प्रिय बने रहेंगे, जैसे फिल्म के नायक के रूप में उनकी छवि जनता के मन में अंकित हैं। फिल्म में गरीबो का मसीहा, ईमानदार अफसर, सिद्धांत वादी नेता, माफियाओ का दुश्मन मुख्यमंत्री के रूप इन भूमिकाओ का निर्वहन कर पाएगा। जबकि मुख्यमंत्री के रूप में अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू की गयी मुहीम उन्हें जनता का असली नायक बना सकती हैं। टीवीके पार्टी के नेता के रूप में उन्होंने जनता से समाजिक न्याय और सच्चे धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना का वादा भी किया हैं।

तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें गठबंधन के साथियों के साथ अपने घोषणा-पत्र में किये वायदो को भी पूरा करना हैं। महिलाओं को 2500 रु मासिक सहायता, स्नातको के लिए 4000 रु बेरोजगारी सहायता और मुफ्त एलपीजी सिलेंडर जैसे लोक लुभावन वादे भी पुरे करना हैं। तब क्या यह माना जाए की जनता घोषणाओं के आकर्षण पर मतदान करती हैं। तमिलनाडु राज्य के चुनाव में नायक की छवि और घोषणाओं ने मिलकर कम समय में चुनाव में सफलता प्राप्त की हैं। आने वाले समय में यह सवाल कायम रहेगा की क्या नायक की छवि से न्याय कर पाए मुख्यमंत्री थालपति विजय।राजनीति के विविध रंगों में दक्षिण के रंग भी असरकारी हैं। जिस प्रकार से फिल्मी नायको, नायिकाओं के प्रति आस्था यहाँ बताई जाती हैं वह काबिलेगौर हैं। फिल्मी कलाकारों को ईश्वर की तरह पूजने और उनके मंदिर बनाए जाने की दक्षिण राज्यों की संस्कृति और परम्परा हैं। अभिनेताओं और अभिनेत्रियों के प्रति तमिलनाडु राज्य की जनता का प्रेम आस्था और विश्वास हैं। यह कला का सम्मान भी हैं। इसी जनता ने एमजी रामचंद्रन, जे जयललिता को भी मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाया था। पटकथा लेखक एम करुणानिधि भी इसी क्रम में शामिल हैं। अब थालपति विजय भी सिनेमाई नायक से राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। उम्मीद करनी चाहिए विजय की यह यात्रा सफलता के सोपान चढ़ेगी। तमिलनाडु राज्य का यह जननायक तमाम राजनैतिक मजबूरियों के बावजूद अपने नायक को जिन्दा रख पाएँगा।

नर्सों का योगदान और विश्व स्वास्थ्य का भविष्य

- महेन्द्र तिवारी

मानवता की सेवा और उपचार की प्रक्रिया में नर्सों का योगदान अतुलनीय है। प्रत्येक वर्ष 12 मई को संपूर्ण विश्व अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाता है। यह दिवस केवल एक तिथि नहीं है बल्कि उस समर्पण और करुणा का सम्मान है जो नर्सें बिना किसी स्वार्थ के समाज को प्रदान करती हैं। इस विशेष दिवस का आयोजन आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के उपलक्ष्य में किया जाता है। 1820 में जन्मी फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशेवर और सम्मानित स्वरूप प्रदान किया। क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने रात के अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायल सैनिकों की जिस प्रकार सेवा की उसने उन्हें लेडी विद द लैंप की उपाधि दी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि चिकित्सा केवल औषधियों का खेल नहीं है बल्कि इसमें स्वच्छता, सहानुभूति और निरंतर देखभाल का भी उतना ही महत्व है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की विषयवस्तु हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं निर्धारित की गई है। यह विषयवस्तु इस बात की ओर संकेत करती है कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए नर्सों का सशक्तिकरण अनिवार्य है।

नर्सिंग सेवा का विस्तार केवल चिकित्सालयों की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जो व्यक्ति के जन्म से लेकर जीवन के अंतिम क्षणों तक उसके साथ बनी रहती है। स्वास्थ्य प्रणाली में नर्सों की भूमिका एक सेतु के समान है जो चिकित्सक और रोगी के मध्य संवाद और उपचार को सुगम बनाती है। किसी भी आपदा या आपातकाल की स्थिति में नर्सें ही सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ी नजर आती हैं। यदि हम वैश्विक आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के कुल कार्यबल का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा नर्सों और दाइयों का है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर नर्सों की भारी कमी देखी जा रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगभग 60 लाख अतिरिक्त नर्सों की आवश्यकता होगी। यह आंकड़ा हमें सचेत करता है कि यदि समय रहते इस क्षेत्र में निवेश नहीं किया गया तो भविष्य में स्वास्थ्य प्रणालियाँ लड़खड़ा सकती हैं।

भारत जैसे सघन जनसंख्या वाले देश में नर्सों का उत्तरदायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। भारतीय नर्सिंग परिषद के आंकड़ों के अनुसार देश में पंजीकृत नर्सों की संख्या लाखों में है परंतु प्रति 1000 जनसंख्या पर नर्सों की उपलब्धता अभी भी वैश्विक मानकों से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है वहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की पूरी जिम्मेदारी नर्सों के कंधों पर होती है। वे न केवल प्रसव संबंधी सेवाएं प्रदान करती हैं बल्कि टीकाकरण अभियानों, संक्रामक रोगों के नियंत्रण और पोषण संबंधी जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में नर्सों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। वे समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुँचकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाती हैं।

हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड 19 ने संपूर्ण विश्व को नर्सों की वास्तविक शक्ति से परिचित कराया। जब पूरा विश्व भयभीत होकर घरों में बंद था तब नर्सें बिना अपनी जान की परवाह किए संक्रमित मरीजों की सेवा कर रही थीं। पीपीई किट पहनकर घंटों बिना भोजन और जल के काम करना उनके अदम्य साहस का परिचायक था। उस कठिन समय में नर्सों ने न केवल शारीरिक उपचार किया बल्कि एकांतवास में रह रहे मरीजों को मानसिक संबल भी प्रदान किया। कई नर्सों ने इस सेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति दे दी जो उनके व्यवसाय के प्रति सर्वोच्च बलिदान को दशार्ता है। इस महामारी ने यह पाठ पढ़ाया कि किसी भी देश की सुरक्षा केवल उसकी सीमाओं पर नहीं बल्कि उसके स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और उसके समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों के हाथों में भी सुरक्षित है।

वर्तमान परिदृश्य में नर्सिंग के क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान हैं जिन्हें संबोधित करना अत्यंत आवश्यक है। नर्सों को अक्सर लंबे समय तक कार्य करना पड़ता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कई स्थानों पर उन्हें उचित वेतन और सुविधाएं प्राप्त नहीं होती हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा का अभाव और तनावपूर्ण वातावरण उनके प्रदर्शन को प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त नर्सिंग को आज भी समाज के कुछ वर्गों में केवल एक सहायक कार्य के रूप में देखा जाता है जबकि वास्तव में यह एक उच्च कौशल वाला पेशेवर कार्य है। नर्सों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और नीति निर्माण में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। वर्ष 2026 की विषयवस्तु इसी अंतर को पाटने का आह्वान करती है। सशक्त नर्सों का अर्थ है उन्हें उन्नत प्रशिक्षण देना, उन्हें नेतृत्व के अवसर प्रदान करना और उनके कार्य की गरिमा को पहचानना।

शिक्षा और तकनीक के विकास ने नर्सिंग के स्वरूप को भी बदला है। आज की नर्सें केवल सहायता प्रदान नहीं करतीं बल्कि वे आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के संचालन, जटिल उपचार प्रक्रियाओं और शोध कार्यों में भी निपुण हैं। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और टेलीमेडिसिन के युग में नर्सों की भूमिका और भी तकनीकी हो गई है। वे डेटा प्रबंधन और रोगियों की निरंतर निगरानी के लिए उन्नत प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं। नर्सिंग शिक्षा के पाठ्यक्रम को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है ताकि नर्सें किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य चुनौती का सामना करने में सक्षम हो सकें। शोध कार्यों में नर्सों की भागीदारी चिकित्सा के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

समाज के रूप में हमारा यह कर्तव्य है कि हम नर्सों के प्रति अपने दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। उनके प्रति कृतज्ञता केवल एक दिन के उत्सव तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उनके लिए अनुकूल कार्य वातावरण सुनिश्चित करना, उनकी समस्याओं को सुनना और उन्हें सम्मानजनक जीवन स्तर प्रदान करना सरकार और समाज दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम नर्सों के प्रशिक्षण और भर्ती में निवेश करते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी क्योंकि एक स्वस्थ समाज ही प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने एक बार कहा था कि नर्सिंग एक कला है और यदि इसे कला बनाना है तो इसके लिए वैसी ही अनन्य भक्ति और कठोर तैयारी की आवश्यकता होती है जैसा कि किसी चित्रकार या मूर्तिकार के कार्य के लिए होती है। उनकी यह बात आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। आज की नर्सें न केवल उपचार करती हैं बल्कि वे मानवता की रक्षक भी हैं। 12 मई का यह दिन हमें उनके उन हजारों घंटों की याद दिलाता है जो उन्होंने दूसरों के दुखों को कम करने में बिताए हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक नर्स की मुस्कान और धैर्य कई बार सबसे महंगी औषधि से भी अधिक प्रभावी सिद्ध होता है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि नर्सिंग सेवा किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ है। वर्ष 2026 में जब हम इस दिवस को मनाते हैं तो हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम नर्सों के सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो नर्सिंग क्षेत्र में आने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करें और वर्तमान नर्सों को उनकी योग्यता के अनुरूप सम्मान और स्थान दिलाएं। जब हम कहते हैं कि सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं तो इसका अर्थ केवल एक नारा नहीं है बल्कि यह एक वैज्ञानिक तथ्य है। एक सशक्त और संतुष्ट नर्स ही सर्वोत्तम उपचार प्रदान कर सकती है। आइए इस अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर हम उन सभी नर्सों को नमन करें जो अंधकार में प्रकाश की किरण बनकर मरीजों के जीवन को रोशन कर रही हैं और एक स्वस्थ सुरक्षित भविष्य की नींव रख रही हैं। उनकी सेवा और त्याग ही वह ऊर्जा है जो चिकित्सा जगत को निरंतर गति प्रदान करती है।

तपती कक्षाएँ और संवेदनहीन व्यवस्था

-प्रियंका सौरभ

भारत इस समय भीषण गर्मी के दौर से गुजर रहा है। हर वर्ष तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है। मौसम विभाग लगातार हीट वेव की चेतावनियाँ जारी करता है। लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। सरकारी कार्यालयों, निजी कंपनियों, बैंक, मॉल और बड़े संस्थानों में कूलर और एयर कंडीशनर की व्यवस्था सामान्य बात हो चुकी है। कर्मचारियों की सुविधा और कार्यक्षमता के लिए वातानुकूलित वातावरण को आवश्यक माना जाता है। लेकिन जब बात स्कूलों की आती है तो तस्वीर अचानक बदल जाती है। देश के लाखों बच्चे और शिक्षक आज भी तपती हुई कक्षाओं में बैठकर दिन बिताने को मजबूर हैं। ऐसा लगता है मानो व्यवस्था ने यह मान लिया हो कि केवल स्कूल के बच्चों और मास्टरों को ही गर्मी नहीं लगती। यह केवल एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी नहीं, बल्कि हमारे शिक्षा तंत्र की दुखद सच्चाई है। जिस देश में बच्चों को “राष्ट्र का भविष्य” कहा जाता है, वहीं उन्हीं बच्चों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जाता है। शिक्षा के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, स्मार्ट क्लास, डिजिटल इंडिया और नई शिक्षा नीति की बातें होती हैं, लेकिन जब कोई सरकारी स्कूल की वास्तविक स्थिति देखता है तो सारे दावे खोखले दिखाई देते हैं। गर्मी के दिनों में कई सरकारी स्कूलों की स्थिति किसी भट्ठी से कम नहीं होती। कहीं टीन की छतें धूप में तपकर आग उगलती हैं, कहीं छोटे-छोटे कमरों में दर्जनों बच्चे ठूँस दिए जाते हैं। कई स्कूलों में पंखे खराब पड़े रहते हैं, तो कहीं बिजली की ही व्यवस्था नहीं होती। खिड़कियाँ या तो टूटी होती हैं या इतनी छोटी कि हवा का प्रवेश ही न हो सके। ऐसे वातावरण में बच्चे घंटों बैठकर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं।

कल्पना कीजिए, जब बाहर तापमान 45 डिग्री के पार हो और भीतर बैठा बच्चा पसीने से तरबतर हो, तब उसका ध्यान किताबों में कैसे लगेगा? छोटे बच्चे बार-बार पानी पीने के लिए उठते हैं, कुछ बच्चों को चक्कर आने लगते हैं, कई बच्चे थकान और बेचैनी से परेशान हो जाते हैं। कई बार हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी घटनाएँ भी सामने आती हैं। इसके बावजूद शिक्षा व्यवस्था में बैठे लोगों को यह समस्या शायद उतनी गंभीर नहीं लगती। शिक्षकों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। उन्हें उसी गर्म वातावरण में लगातार कई पीरियड लेने होते हैं। बोर्ड पर लिखना, बच्चों को संभालना और पढ़ाना, यह सब आसान नहीं होता। लेकिन विडंबना यह है कि जिन शिक्षकों पर भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी है, उनकी कार्य परिस्थितियों पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। यदि किसी सरकारी कार्यालय का एसी खराब हो जाए तो शिकायत तुरंत दर्ज होती है और मरम्मत की व्यवस्था भी जल्दी हो जाती है। कर्मचारियों की सुविधा को “कार्य दक्षता” से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों के लिए कूलर या एसी की बात होते ही अक्सर यह कह दिया जाता है कि “इतनी सुविधाएँ संभव नहीं हैं” या “यह अनावश्यक खर्च है।” सवाल यह है कि क्या बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा कम महत्वपूर्ण है? यदि आरामदायक वातावरण किसी कर्मचारी की कार्यक्षमता बढ़ा सकता है, तो वही वातावरण बच्चों की सीखने की क्षमता और मानसिक एकाग्रता को क्यों नहीं बढ़ाएगा?

आज बड़े शहरों के निजी स्कूलों में एयर कंडीशनर युक्त कक्षाएँ आम होती जा रही हैं। वहाँ पढ़ने वाले बच्चों को आधुनिक सुविधाएँ मिलती हैं। दूसरी ओर सरकारी स्कूलों के बच्चे बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करते हैं। यह केवल सुविधा का अंतर नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता का जीवंत उदाहरण है। एक तरफ अमीर बच्चों के लिए ठंडी और स्मार्ट कक्षाएँ हैं, दूसरी तरफ गरीब परिवारों के बच्चे तपती दीवारों और पसीने भरे कमरों में बैठने को मजबूर हैं। शिक्षा में समानता की बातें करने वाला समाज इस असमानता पर अक्सर चुप दिखाई देता है।

शिक्षा केवल किताबों, परीक्षाओं और पाठ्यक्रम का नाम नहीं है। सीखने के लिए एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण भी उतना ही आवश्यक होता है। मनोवैज्ञानिक और शिक्षा विशेषज्ञ लंबे समय से यह बताते आए हैं कि अत्यधिक गर्मी बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और मानसिक सक्रियता को प्रभावित करती है। गर्म वातावरण में बच्चा जल्दी थक जाता है और उसकी सीखने की क्षमता कम हो जाती है। जब बच्चा पूरे समय गर्मी से परेशान रहेगा, तो वह पाठ पर ध्यान कैसे केंद्रित करेगा? शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को स्कूल भेजना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण देना है जहाँ वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर सीख सकें।

विडंबना यह है कि सरकारें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए करोड़ों रुपये डिजिटल योजनाओं पर खर्च करती हैं, लेकिन कक्षाओं के तापमान पर शायद ही कभी चर्चा होती है। जबकि सच्चाई यह है कि गर्मी से जूझता बच्चा स्मार्ट बोर्ड से अधिक एक ठंडी हवा की जरूरत महसूस करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति तो और भी अधिक चिंताजनक है। कई गाँवों में बिजली की आपूर्ति ही नियमित नहीं होती। कुछ स्कूलों में आज भी पर्याप्त कमरे नहीं हैं। बच्चे पेड़ों के नीचे या खुले बरामदों में बैठकर पढ़ते हैं। ऐसे स्थानों पर कूलर या एसी की कल्पना करना भी कठिन लगता है। कई स्कूलों में पीने के पानी की समस्या भी गंभीर होती है। गर्मियों में पानी के टैंक सूख जाते हैं या पानी इतना गर्म हो जाता है कि पीना मुश्किल हो जाता है। बच्चों को कई बार दूर से पानी लाना पड़ता है। यह स्थिति केवल असुविधा नहीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। हर वर्ष शिक्षक दिवस, बाल दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर नेताओं के भाषणों में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया जाता है। बच्चे देश का भविष्य हैं जैसी पंक्तियाँ बार-बार दोहराई जाती हैं। लेकिन वास्तविक प्राथमिकताएँ स्कूलों की स्थिति देखकर समझी जा सकती हैं। यदि वास्तव में बच्चे देश का भविष्य हैं, तो क्या उन्हें कम से कम इतना अधिकार नहीं मिलना चाहिए कि वे सम्मानजनक वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकें? क्या यह उचित है कि कार्यालयों की सुविधाएँ प्राथमिकता बन जाएँ और बच्चों की मूलभूत आवश्यकताएँ उपेक्षित रह जाएँ?

यह समस्या केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि सोच की भी है। हमारे समाज में अक्सर बच्चों और शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता। यह मान लिया गया है कि स्कूलों में थोड़ी असुविधा “सामान्य” है। यही सोच सबसे बड़ी समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में गर्मी लगातार बढ़ रही है। कई शहरों में तापमान 47-48 डिग्री तक पहुँच चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले वर्षों में हीट वेव की घटनाएँ और अधिक बढ़ेंगी। ऐसे में स्कूलों की पारंपरिक व्यवस्था अब पर्याप्त नहीं रह गई है। आज आवश्यकता है कि स्कूल भवनों का निर्माण मौसम के अनुसार किया जाए। पर्याप्त वेंटिलेशन, हरे पेड़, ठंडे छत डिजाइन, स्वच्छ पेयजल और तापमान नियंत्रण जैसी सुविधाएँ अनिवार्य हों। यह विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है। सरकार यदि चाह ले तो चरणबद्ध तरीके से सरकारी स्कूलों में कूलर और बेहतर पंखों की व्यवस्था की जा सकती है। सौर ऊर्जा आधारित समाधान भी अपनाए जा सकते हैं। कई राज्यों में मिड-डे मील, स्मार्ट क्लास और डिजिटल शिक्षा जैसी योजनाएँ सफलतापूर्वक लागू हुई हैं, तो बच्चों को गर्मी से राहत देने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए संवेदनशील सोच और वास्तविक प्राथमिकता की जरूरत है। केवल घोषणाओं और विज्ञापनों से शिक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं होगी।

कल्याण पूर्व के प्रमुख मार्गों पर केडीएमसी का विशेष सफाई अभियान

कल्याण-डोंबिवली में स्वच्छता अभियान को मिली रफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। केडीएमसी द्वारा सुमित एल्कोप्लास्ट संस्था के माध्यम से यह विशेष अभियान तेज गति से संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत काटई-बदलापुर मार्ग, हेदुटणे से खोणी पाइपलाइन, आइडियल कॉलेज से गणेश मंदिर तक के पूरे क्षेत्र की विशेष सफाई की जा रही है। इन प्रमुख मार्गों के हर कोने को साफ करने के लिए विशेष सफाई पथकों की नियुक्ति की गई है। नियमित रूप से कचरा उठाने, सड़कों की सफाई करने और पूरे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने का कार्य लगातार जारी है। इसके अलावा डोंबिवली और कल्याण पूर्व के विभिन्न इलाकों में भी कर्मचारियों की भागीदारी से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। शहर को अधिक स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यप्रद बनाए रखने के लिए प्रशासन विशेष प्रयास कर रहा है। केडीएमसी प्रशासन और सुमित एल्कोप्लास्ट संस्था ने नागरिकों से भी इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है, ताकि स्वच्छ शहर का सपना साकार हो सके।

आपत्तिजनक स्टेटस डालने वाले पुलिसकर्मी पर निलंबन की हुई कार्रवाई

भिवंडी। भिवंडी के टेमघर गांव में आयोजित गांवदेवी यात्रा के दौरान पारंपरिक पूजा का वीडियो मोबाइल स्टेटस पर लगाकर उसके साथ आपत्तिजनक टिप्पणी लिखने वाले पुलिस सिपाही पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई भिवंडी पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के निर्देश पर की गई। निलंबित पुलिसकर्मी का नाम अंकुश रमेश सानप बताया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोनगांव पुलिस थाने में कार्यरत पुलिस सिपाही अंकुश सानप ने 7 मई को टेमघर गांव की गांवदेवी यात्रा के दौरान पुजारी द्वारा पारंपरिक तरीके से की जा रही पूजा का वीडियो अपने मोबाइल स्टेटस पर लगाया था। आरोप है कि वीडियो के नीचे उन्होंने ऐसा आपत्तिजनक संदेश लिखा, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुईं। इस मामले में स्थानीय नगरसेवक रोहित चौधरी ने जब सानप से पूछताछ की, तो उन्होंने कथित तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए असभ्य व्यवहार किया। इसके बाद नगरसेवक रोहित चौधरी ने शांतीनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए भिवंडी पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस सिपाही अंकुश सानप को निलंबित कर दिया।

भिवंडी में 13 तारीख को 24 घंटे पानी सप्लाई रहेगी बंद, अगले दिन भी कम दबाव से होगी जलापूर्ति

भिवंडी। भिवंडी मनपा ने नागरिकों को सूचित किया है कि स्टेम प्राधिकरण द्वारा टेमघर जल शुद्धिकरण केंद्र पर केबल दुरुस्ती तथा भिवंडी PWRM जलवाहिनी की दुरुस्ती का अत्यंत आवश्यक कार्य किया जाना है। जिसके चलते बुधवार 13 मई 2026 सुबह 9 बजे से गुरुवार 14 मई 2026 सुबह 9 बजे तक कुल 24 घंटे का शटडाउन लिया जाएगा। मनपा प्रशासन के अनुसार इस दौरान स्टेम प्राधिकरण से भिवंडी शहर को होने वाली जलापूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। साथ ही इसके अगले एक दिन तक शहर में कम दबाव और कम मात्रा में पानी की सप्लाई की जाएगी। मनपा ने नागरिकों से आवश्यक पानी का पूर्व भंडारण करने तथा प्रशासन को सहयोग देने की अपील की है। मनपा द्वारा जारी जानकारी के अनुसार ममता टाकी, चाविंद्रा गांव, पटेल नगर, बाला कंपाउंड, फरीदबाग, संगमपाडा, ब्राम्हण आली, कसार आली, भावेनगर, आदर्श पार्क, अजयनगर, गोकुलनगर, इंदिरानगर, कल्याण रोड, तीनबत्ती, शिवाजीनगर, खडकरोड, अजमेरनगर, शमानगर, अंजूरफाटा, देवजीनगर, नारपोली, विठ्ठलनगर, रोशनबाग, निजामपुरा, इस्लामपुरा, आमपाडा, म्हाडा कॉलनी, नेहरूनगर, मिल्लतनगर, नवीवस्ती, वेतालपाडा, कामतघर, जूनी व नवी ताडाली, भाग्यनगर, अशोकनगर, कोटरगेट, कापआळी, भादवड, टेमघर सहित अनेक क्षेत्रों में पानी सप्लाई प्रभावित रहेगी।यह जानकारी मनपा के प्रभारी कार्यकारी अभियंता (पाणी पुरवठा विभाग) संदीप पटनावर द्वारा जारी प्रेस नोट में दी गई है।

साल का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट डेब्यू रोहित शर्मा सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया पर

मुंबई/पटना। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया देशभर के दर्शकों के लिए वर्ल्ड कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा को लेकर आ रहा है। उनके बहुप्रतीक्षित एंटरटेनमेंट डेब्यू की झलक देते हुए सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने एक रोमांचक टीजर लॉन्च किया है, जिसने फैन्स के बीच उत्सुकता और चर्चा का माहौल बना दिया है।

टीजर में दिखाया गया है कि फैन्स रोहित के चारों ओर उमड़ पड़े हैं और उनसे उनकी मशहूर लाइन कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा दोहराने की गुजारिश कर रहे हैं। यह मजेदार अंदाज उस पल को याद दिलाता है जब मैदान पर कही गई एक सहज टिप्पणी पॉप-कल्चर का वायरल मोमेंट बन गई थी। टीजर में इस डायलॉग के इर्द-गिर्द बनी दीवानगी को ह्यूमर के साथ दिखाया गया है। इस जबरदस्त क्रेज पर रोहित हंसते हुए कहते हैं, दो लाइन क्या बोल दी, इतना वायरल हो गया जब मेरा पूरा शो आएगा तो क्या होगा? ह्यूमर, करिश्मा और रहस्य से भरपूर यह हल्का-फुल्का टीजर सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया की ओर से साल के सबसे बड़े एंटरटेनमेंट डेब्यू की नींव रखता है।

प्रतापगढ़ में शिक्षा की अलख जगानेवाले दिनेश त्रिपाठी का समरस फाउंडेशन ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा मानव जीवन और सामाजिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण नींव है, जो ज्ञान, कौशल, नैतिकता और आत्मविश्वास प्रदान करती है।यह न केवल व्यक्तिगत सफलता और आत्मनिर्भरता की कुंजी है, बल्कि गरीबी कम करने, सही-गलत की पहचान करने और बेहतर करियर के अवसर पैदा करने में मदद करती है, जिससे एक सभ्य समाज का निर्माण होता है। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद में शिक्षा की अलख जगानेवाले वरिष्ठ समाजसेवी तथा उद्योगपति दिनेश त्रिपाठी का सम्मान किया। जौनपुर के भुईधरा, सुजानगंज गांव में एक सामान्य परिवार में पैदा हुए दिनेश त्रिपाठी ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर वह मुकाम हासिल किया, जो बहुत कम लोगों को प्राप्त होता है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

प्रतापगढ़ के पट्टी तहसील मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कोहंडौर आज उच्च शिक्षा का लैंडमार्क बन गया है। दिनेश त्रिपाठी द्वारा यहां 43 एकड़ में शानदार जेडी शिक्षा ग्राम का निर्माण किया गया है। यहां इंजीनियरिंग कॉलेज ,फामेर्सी कॉलेज, लॉ कॉलेज और डिग्री कॉलेज संचालित हो रहा है।

श्री त्रिपाठी 114 एकड़ जमीन और लेने जा रहे हैं, जिसमें वेटरनरी कॉलेज, सीबीएसई स्कूल, मरीन कॉलेज और पैरामेडिकल कॉलेज चलाने की योजना है। यही नहीं वे इसे विश्वविद्यालय का स्वरूप प्रदान करना चाहते हैं।

श्री त्रिपाठी का साफ मानना है कि ग्रामीण अंचल में रहने वाले प्रतिभाशाली बच्चों के लिए उनके सन्निकट उच्च तथा तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा होनी चाहिए। आमतौर पर वेटरनरी कॉलेज तथा मरीन कॉलेज में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पूर्वांचल के विद्यार्थियों को अन्य राज्यों में जाना पड़ता है, जो महंगा होने के साथ-साथ असुविधाजनक भी होता है। शिक्षा के अलावा श्री त्रिपाठी समाज सेवा के क्षेत्र में हमेशा सक्रिय रहे। चाहे प्रतापगढ़ जिला कारागार में बंद महिला कैदियों के नाबालिक बच्चों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक साधनों को उपलब्ध कराने की बात हो, अथवा जर्जर मंदिरों के जीर्णोद्धार की बात हो त्रिपाठी जी ने हमेशा आगे आकर मदद के हाथ बढ़ाये हैं। कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट डिग्री ,क्वालिफाइड कंपनी सेक्रेट्री की डिग्री समेत अनेक डिग्री प्राप्त श्री त्रिपाठी एम कॉम के टॉपर विद्यार्थी रहे। आज कॉरपोरेट सेक्टर में उनका नाम सफल उद्यमियों में लिया जाता है। उनका बेटा ज्योतिरादित्य त्रिपाठी अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में बीएससी मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहा है तो बेटी तन्वी ने भी लंदन से पढ़ाई की है। दिनेश त्रिपाठी एक स्वस्थ समाज के साथ-साथ मजबूत राष्ट्र के निर्माण के पक्ष में हैं।

CENT ने मुंबई में क्लिनिकल प्रिवेंशन सेंटर शुरू किया

मुंबई। प्रारंभिक पहचान आधारित हेल्थकेयर कंपनी CENT ने आज भारत में अपने दूसरे सेंटर के शुभारंभ की घोषणा की, जो मुंबई के गोरेगांव वेस्ट में स्थित है। यह नया सेंटर बेंगलुरु से आगे CENT के विस्तार को दर्शाता है और इसके प्रारंभिक पहचान-आधारित हेल्थकेयर मॉडल को भारत की सबसे गतिशील शहरी आबादी में से एक तक पहुंचाता है। CENT की स्थापना फाउन्डर एवं बोर्ड चेयर शशांक एनडी ने को-फाउन्डर्स अर्पित गर्ग और अंशुल खंडेलवाल के साथ मिलकर की थी, जो टेक्नोलॉजी, प्रोडक्ट, ऑपरेशंस और मेंबर एक्सपीरियंस से जुडे प्रमुख कार्यों का नेतृत्व करते हैं। इस विचार पर आधारित कि गंभीर बीमारियों की पहचान लक्षण दिखाई देने से पहले हो जानी चाहिए।

टोयोटा महाराष्ट्र में स्थापित करेगी नया वाहन विनिर्माण संयंत्र

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने महाराष्ट्र स्थित बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में एक नया वाहन विनिर्माण संयंत्र बनाने की अपनी योजना की घोषणा की है। इस नए संयंत्र में उत्पादन 2029 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य भारतीय बाजार में टोयोटा की व्यावसायिक नींव को और अधिक मजबूत बनाना है। यह नया संयंत्र न केवल भारत के ग्राहकों को, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को भी निरंतर वाहन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित होने वाला यह नया संयंत्र अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इस परियोजना के तहत वर्ष 2029 की पहली छमाही से उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 1,00,000 वाहन होगी। इस संयंत्र के संचालन के लिए लगभग 2,800 कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी, जहाँ मुख्य रूप से स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसी महत्वपूर्ण विनिर्माण प्रक्रियाएं संपन्न होंगी। विशेष रूप से, इस संयंत्र का उपयोग टोयोटा की एक नई एसयूवी (रव्श) के निर्माण के लिए किया जाएगा, जो भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगी। भारत में टोयोटा का व्यवसाय उन अग्रदूतों के साथ आगे बढ़ा है जिन्होंने भारतीय बाजार की नींव रखी, और टोयोटा को उन दिग्गजों से अमूल्य सीख और समर्थन प्राप्त हुआ है। टोयोटा अपनी उत्पादन संरचना को और सशक्त बनाना जारी रखेगी ताकि भारत और पड़ोसी क्षेत्रों में भविष्य की मांग और बाजार के बदलावों के अनुरूप लचीलेपन के साथ काम किया जा सके ।

मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच सेल-4 ने एमडी ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच सेल चार ने एमडी ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों के निर्माण में उपयोग होने वाले रसायन और अत्याधुनिक लैब उपकरण जब्त करने में सफलता हासिल की है। बिगत दिनांक 04/04/2026 को दोपहर 3:05 बजे नयानगर, मीरा रोड पूर्व स्थित छेड़ा आदर्श बिल्डिंग के कमरा नंबर 202 में रहने वाली श्रीमती फिरदौस अरबाज कुरैशी के घर पर छापेमारी कर पुलिस ने 2 करोड़ 66 लाख 17 हजार 280 रुपये मूल्य का 1 किलो 324 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया। जांच में सामने आया कि यह मादक पदार्थ उनके पति अरबाज वकील कुरैशी का था। इस मामले में नयानगर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 102/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8(ए), 21(ए), 22(ए) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर जांच क्राइम ब्रांच सेल-4 को सौंपी गई। विस्तृत जांच के दौरान पुलिस ने अब तक दो महिला और ग्यारह पुरुष आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जांच में कुल 6 किलो 773 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। वहीं आरोपी क्रमांक 12 और 13 के पास से एमडी ड्रग तैयार करने में उपयोग होने वाले लगभग 255 लीटर रसायन और प्रयोगशाला उपकरण जब्त किए गए। इनमें सोडियम हाइड्रोक्साइड पेलेट्स, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, एसीटोन, डाइक्लोरोमीथेन, मिथाइलमाइन, क्लोरोफॉर्म सहित हीटिंग ड्रायर, सेपरेशन फ्लास्क, हीटिंग मेंटल, रिकवरी फ्लास्क, फोर फिंगर क्लैंप, एडिशन पॉट और बुचनर फनल जैसे उपकरण शामिल हैं। पुलिस ने मुंबई के समन नगर (मालवणी), आजमी नगर (मालवणी) तथा मौजे मनोरि-गोराई क्षेत्रों में भी कार्रवाई करते हुए कुल 13 करोड़ 65 लाख 45 हजार 95 रुपये मूल्य का माल जब्त किया है। मामले की आगे की जांच क्राइम डिटेक्शन ब्रांच सेल-4 द्वारा जारी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच सेल-4 की प्रभारी पोनि प्रमोद बडाख,सपोनि प्रशांत गागुंडे, दत्तात्रेय सरक,सफौ मनोहर तावरे, संतोष मदने, दीपाली जाधव, पो,हवा शिवाजी पाटील, रविंद्र भालेराव, विजय गायकवाड, प्रवीणराज पवार, धनंजय चौधरी, हनुमंत सूर्यवंशी, समीर यादव, अष्विन पाटिल, रविंद्र कांबले, संदीप शेरमाले, विकास राजपूत, सनि सूर्यवंशी, मसुब सचिन चौधरी, टीम द्वारा अंजाम दी गई।

मानव अधिकार न्याय जनसेवा ट्रस्ट के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के माणगांव में गरीब और जरूरतमंदों के लिए कार्य करने वाली मानव अधिकार न्याय जनसेवा ट्रस्ट के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर कल्याण-डोंबिवली, अंबरनाथ और आसपास के क्षेत्रों के कई राजनीतिक व सामाजिक मान्यवरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

उद्घाटन समारोह के साथ ही संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश रमाशंकर गुप्ता का जन्मदिन भी बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कल्याण ग्रामीण के विधायक राजेश मोरे, महापौर हर्षाली चौधरी थविल, अंबरनाथ की नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुळे पाटील, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विक्रम तरे, मोनाली तरे,

शोभा जाधव, पूर्व सांसद सुनील गायकवाड़, नरेंद्र पवार, राष्ट्रीय सचिव सर्वन गुप्ता, विश्वास यादव, विश्वनाथ डांबरे, उमेश गावडे, रोहित गुप्ता, सरिता भोईर, विजय लक्ष्मी जैस्वाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों ने संगठन की आगामी सामाजिक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं और गरीब, जरूरतमंद तथा पीड़ित नागरिकों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश रमाशंकर गुप्ता ने बताया कि मानव अधिकार न्याय जनसेवा ट्रस्ट वर्तमान में 9 राज्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। संस्था का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद नागरिकों को सहायता, न्याय और सामाजिक सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि संगठन हमेशा आम जनता की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए तत्पर रहेगा।

बिहार जन सेवा संस्था ने महाराष्ट्र दिवस, कामगार दिवस व मातृदिवस पर भव्य कार्यक्रम किया आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मातृदिवस के अवसर पर रविवार 10 मई 2026 को पालघर जिले के बोईसर शहर के टीमा ग्राउंड पर एक भारत - श्रेष्ठ भारत के बैनर तले चौथे वर्ष में बिहार जन सेवा संस्था द्वारा भव्य समारोह आयोजित किया गया।

समारोह का शुभारंभ षोडशोपचार पूजन व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात मातृ पूजन, कामगारों का सम्मान और महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर अतिथियों व गणमान्यों का स्वागत-सत्कार किया गया। कार्यक्रम में मराठी, हिंदी और भोजपुरी गीत-संगीत के सुमधुर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस दौरान बच्चों द्वारा मातृ पूजन किया गया और प्रदेश की सफलता में योगदान दे रहे 21 मजदूरों को सम्मानित करते हुए पारितोषिक देकर उनका अभिवादन किया गया। मातृ पूजन के दौरान बिहार जन सेवा संस्था के संस्थापक अध्यक्ष बबन कुमार सिंह ने असहाय विधवा महिला को 11 हजार रुपये की नगद सहायता देने के पश्चात उन्होंने हर वर्ष दिवाली पर पूरे

परिवार को वस्त्र प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम में बोईसर के डीवाईएसपी विकास नाईक एवं ठाणे के सामाजिक कार्यकर्ता मुकणे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बिहार से पधारे पूर्व सांसद और बाहुबली के रूप में विख्यात आनंद मोहन ने प्रवासियों को राज्य की तरक्की में योगदान देने के लिए बधाई दी और कहा कि महाराष्ट्र में हमारा मॉ-मॉऊसी का अटूट रिश्ता है, इसे कभी कमजोर न होने दें। कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं होता। कार्यक्रम का सूत्र संचालन चंदन झा ने किया। समापन पर बबन कुमार सिंह ने सभी पदाधिकारियों, सहयोगियों, अतिथियों और हजारों दर्शकों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए समारोह की सफलता की जानकारी दी।

नेवाली-मलंगगढ़ क्षेत्र में बार-बार बिजली कटौती से नागरिक परेशान

शिवसेना नगरसेवक महेश गायकवाड़ ने महावितरण अधिकारियों को सौंपा निवेदन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। नेवाली-मलंगगढ़ परिसर में लगातार हो रही बिजली कटौती से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से ग्रामीण भागों में बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने से दैनिक जीवन, खेती-किसानी, छोटे व्यवसाय और विद्यार्थियों की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ रहा है।

इस गंभीर समस्या को लेकर शिवसेना नगरसेवक व संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ और चैणु जाधव और सहयोगी मित्रों ने महावितरण अधिकारियों को निवेदन सौंपते हुए तत्काल समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि नेवाली, मलंगगढ़ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से अनियमित बिजली आपूर्ति की शिकायतें मिल रही हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। महेश गायकवाड़ ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति सुचारु नहीं की गई, तो नागरिकों के साथ मिलकर तीव्र आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

कंज्यूमर्स के भरोसे को और मजबूत करने के लिए डिजिटल प्रेशियस मेटल इकोसिस्टम ने सेल्फ-रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की

मुंबई। भारत की डिजिटल प्रेशियस मेटल्स इंडस्ट्री ने साथ मिलकर डिजिटल प्रेशियस मेटल्स एश्योरेंस काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन किया है। यह एक सेल्फ-रेगुलेटरी ऑर्गनाइजेशन है, जिसका उद्देश्य भारत के डिजिटल मेटल इकोसिस्टम में पारदर्शिता, संचालन की विश्वसनीयता और कंज्यूमर प्रोटेक्शन सुनिश्चित करना है। डिजिटल प्रेशियस मेटल इंडस्ट्री को एक नया आयाम देने के लिए, सार्वजनिक नीति की विशेषज्ञ सुश्री निरुपमा सुंदरराजन को DPMACI का स्वतंत्र चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में, यह ऑर्गनाइजेशन न केवल सख्त नियम लागू करेगा, बल्कि सरकार के साथ मिलकर एक पारदर्शी और कंज्यूमर-फ्रेंडली इकोसिस्टम भी तैयार करेगा। इस कदम से न सिर्फ कंज्यूमर्स का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि यह इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के साथ आगे बढ़ाने में मदद करेगा। यह ऑर्गनाइजेशन, प्रमुख विक्रेताओं और वितरकों को एकीकृत आचार संहिता के अंतर्गत संगठित करता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य, इंडस्ट्री में सख्त मानकों और सत्यापन तंत्र को लागू करना है, जिससे कंज्यूमर्स का विश्वास बढ़े और उनकी चिंताओं का प्रभावी समाधान किया जा सके। डिजिटल प्रेशियस मेटल्स एश्योरेंस काउंसिल ऑफ इंडिया के वर्तमान सदस्य, भारत में डिजिटल गोल्ड और सिल्वर के प्रमुख विक्रेता और वितरक हैं। जिनमें MMTC-PAMP, सेफगोल्ड, ऑगमोंट, फोनपे, भारतपे, मोबिक्विक, गुल्लक, लेनदेन क्लब और क्रेड शामिल हैं। इंडस्ट्री में उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए, DPMACI फ्रेमवर्क, 1:1 भौतिक धातु समर्थन की गारंटी देता है, जिसे नियमित ऑडिट के माध्यम से सत्यापित किया जाएगा। इसके अलावा, सभी होल्डिंग्स का लंदन/UAE/ भारतीय गुड डिलीवरी मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य होगा। यह ऑर्गनाइजेशन, कंज्यूमर्स के अधिकारों की रक्षा के लिए एक ओम्बड्समैन फ्रेमवर्क की स्थापना पर भी कार्य करेगा, जिससे उनकी शिकायतों का निवारण, निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जा सके। DPMACI फ्रेमवर्क को डिजिटल प्रेशियस मेटल्स के क्षेत्र में पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए बनाया गया है। इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत, स्वतंत्र ऑडिट फर्में सख्त जाँच करेंगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भौतिक भंडार कंज्यूमर होल्डिंग्स से पूरी तरह मेल खाते हों। सभी संपत्तियों को स्वतंत्र संरक्षकों या सुरक्षित वॉल्ट्स में रखा जाएगा, जहाँ स्टोरेज, सुरक्षा, इंश्योरेंस और प्रकटीकरण के लिए सख्त नियम लागू होंगे। कंज्यूमर फंड्स को स्वतंत्र ट्रस्टी की देखरेख में अलग-अलग अकाउंट्स में रखा जाएगा, ताकि ग्राहकों के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें। यह व्यवस्था यह भी सुनिश्चित करती है कि यदि किसी मध्यस्थ को दिवालिया घोषित कर दिया जाए।

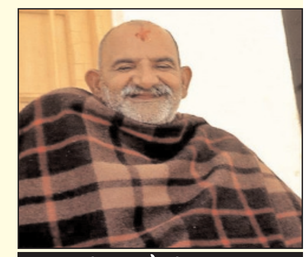

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

चंदौली के जीवक हॉस्पिटल में भर्ती महिला को वार्ड में घुसकर मारी गोली, हमलावर दबोचा गया

चंदौली (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के चंदौली जनपद में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब चकिया स्थित जीवक अस्पताल के भीतर भर्ती एक महिला मरीज की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अस्पताल के वार्ड में घुसे एक हमलावर ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर महिला को निशाना बनाया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मृतका की पहचान 55 वर्षीय लक्ष्मीना देवी के रूप में हुई है, जो बिहार के सासाराम जिले की रहने वाली बताई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार वह बीते 5 अप्रैल से जीवक अस्पताल में भर्ती थीं और उनका इलाज चल रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सोमवार सुबह एक युवक संदिग्ध हालात में अस्पताल के अंदर दाखिल हुआ। उसके हाथ में पिस्टल थी और वह सीधे उस वार्ड में पहुंचा जहां महिला भर्ती थीं। वहां पहुंचते ही उसने लक्ष्मीना देवी पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगते ही महिला बेड पर ही गिर पड़ीं और वार्ड में चीख-पुकार मच गई।

अस्पताल बना रण क्षेत्र

अस्पताल में मौजूद कर्मचारियों, तीमारदारों और स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। डॉक्टरों ने महिला को बचाने की कोशिश की, लेकिन जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे अस्पताल परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा माना जा रहा है, हालांकि पुलिस अभी हर पहलू पर जांच कर रही है। यह भी बड़ा सवाल है कि आखिर हमलावर हथियार लेकर अस्पताल के अंदर वार्ड तक कैसे पहुंच गया।

इस सनसनीखेज वारदात के बाद चंदौली से लेकर सासाराम तक हड़कंप मचा हुआ है। लोगों ने अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर हत्या के पीछे की असली वजह तलाशने में जुटी है।

दूल्हे आजाद बिंद हत्याकांड में मुख्य आरोपियों की तलाश तेज, एसटीएफ भी जांच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में चर्चित दूल्हे आजाद बिंद हत्याकांड के मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। फरार तीनों आरोपियों पर घोषित इनाम राशि 25 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी गई है। अब मामले की जांच में एसटीएफ भी शामिल हो गई है।

पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और सर्विलांस की मदद से अन्य जनपदों में भी तलाश जारी है। सूत्रों के अनुसार आरोपियों को शरण देने वालों पर भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

बताया जा रहा है कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र निवासी 24 वर्षीय आजाद बिंद की 1 मई की रात बारात लेकर जाते समय बदशाही बाजार के पास बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में पुलिस लगातार गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

पोखरा में उतराया मिला वृद्ध का शव, क्षेत्र में सनसनी

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीनपुर गांव में सोमवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव के बाहर एक पोखर में 60 वर्षीय वृद्ध का शव उतराता हुआ मिला। मृतक की पहचान मेवा लाल कनौजिया निवासी कबीरूद्दीनपुर के रूप में हुई है, जो रविवार की शाम से ही संदिग्ध परिस्थितियों में लापता थे। परिजनों के अनुसार, मेवा लाल रविवार शाम को घर से निकले थे, लेकिन जब देर रात तक वापस नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरू कर दी गई। रात भर खोजबीन के बाद भी उनका कहीं सुराग नहीं लग सका। सोमवार सुबह पोखरा के समीप खेल रहे बच्चों की नजर पानी में तैरते शव पर पड़ी, जिसके बाद बच्चों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और परिजनों को घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलने पर तत्काल पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वृद्ध की संदिग्ध मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है, परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मामले की गहनता से जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुघर्टना में बाइक सवार एक युवक की मौत एक गंभीर

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत चिरैया मोड़ के समीप सड़क दुघर्टना में तेज रफ़्तार बाइक अनियंत्रित होकर एक बंद दुकान के शटर में टकराने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे युवक का प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। क्षेत्र के अयोध्या मार्ग स्थित चिरैया मोड़ के समीप रविवार को सुल्तानपुर जनपद के अखंड नगर थाना क्षेत्र के सराई गांव निवासी 25 वर्षीय राजेश कुमार व 24 वर्षीय मनोज कुमार बाइक से घर जा रहें थे।कि तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर एक बंद दुकान के शटर में टकराने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं मनोज की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

अनियंत्रित कार ने कई श्रद्धालुओं को रौंदा

त्रिलोचन महादेव मंदिर परिसर में बड़ा हादसा, दो श्रद्धालुओं की हालत नाजुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। त्रिलोचन महादेव मंदिर परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक अनियंत्रित कार ने कई श्रद्धालुओं को रौंद दिया। हादसे में आधा दर्जन श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दो श्रद्धालुओं की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद थी। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर लोगों के बीच जा घुसी, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद गुस्साए श्रद्धालुओं ने वाहन में तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।

यह फोटो एआई की मदद से बनाई गई है।

जौनपुर में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का सफल आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार बेसिक शिक्षा विभाग के नेतृत्व में जनपद के समस्त विद्यालयों में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इसी क्रम में बीएसए ने नगर क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन, जौनपुर का औचक निरीक्षण किया, जहां ह्लसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्व का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास और भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत को जाना।

विद्यालय में निबंध लेखन, चित्रकला, नृत्य प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं ध्यान-साधना जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय संस्कृति, स्वाभिमान और राष्ट्रगौरव की प्रेरणादायक प्रस्तुति दी।

प्रधानाध्यापिका के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सहायक अध्यापकों एवं विद्यालय स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए ऐसे आयोजनों को नैतिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से सोमनाथ मंदिर के इतिहास, उसके पुनर्निर्माण तथा भारतीय गौरव से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी भी दी गई। बच्चों ने रुचिपूर्वक ऐतिहासिक जानकारियों को समझा और कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विद्यालय परिसर देशभक्ति, संस्कृति और स्वाभिमान की भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को प्रोत्साहन प्रदान करने एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पीडीए और सर्वजन की राजनीति से होगा प्रदेश का विकासः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि अखिलेश यादव आज सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के सबसे बड़े प्रतीक बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि 'पीडीए हिताय, पीडीए सुखाय' केवल नारा नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और समान भागीदारी का अभियान है।

उन्होंने कहा कि 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की भावना के साथ अखिलेश यादव समाज के हर वर्ग–किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं-को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। समाजवादी विचारधारा हमेशा सामाजिक समरसता, आर्थिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की पक्षधर रही है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्तमान समय में देश में नफरत और विभाजन की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि अखिलेश यादव प्रेम, भाईचारा और विकास की राजनीति को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता अब समझ चुकी है कि समाजवादी सोच ही बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और सामाजिक अन्याय से मुक्ति दिला सकती है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां सर्वसमाज को साथ लेकर चलने वाली नीतियां हैं, जिनमें सभी वर्गों को सम्मान और भागीदारी देने का स्पष्ट विजन है। आने वाले समय में पीडीए और सर्वजन की एकजुट ताकत उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक बदलाव लाएगी।

अंत में उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से गांव-गांव और शहर-शहर जाकर समाजवादी विचारधारा, सामाजिक न्याय और संविधान बचाने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जौनपुर में होटल और रेस्टोरेंटों पर उठे सवाल

मछलीशहर में पुलिस छापेमारी के बाद शहर में चचाओं का बाजार गर्म

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में होटल और रेस्टोरेंटों की आड़ में कथित रूप से चल रही अवैध गतिविधियों को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। मछलीशहर क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा एक होटल में की गई छापेमारी के दौरान कई युवक-युवतियों के पकड़े जाने के बाद शहर के अन्य इलाकों में भी चचाएं तेज हो गई हैं।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जौनपुर सदर क्षेत्र में कई होटल और रेस्टोरेंटों में बंद केबिन बनाकर संदिग्ध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। खासतौर पर टीडी कॉलेज रोड स्थित कुछ रेस्टोरेंट लोगों के निशाने पर हैं, जहां केबिन व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि सामान्य रेस्टोरेंटों में बंद केबिन की आवश्यकता समझ से परे है और प्रशासन को ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच करानी चाहिए। नागरिकों ने मांग की है कि होटल और रेस्टोरेंटों में नियमित छापेमारी कर अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। हालांकि पुलिस प्रशासन की ओर से समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है, लेकिन लोगों का मानना है कि इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्ती जरूरी है।

सोनभद्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मदर्स डे

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। परमहंस पब्लिक स्कूल एवं पंडित विद्याधर इंटर कॉलेज कबरी में रविवार को 'मदर्स डे' हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी माताओं के चित्र विद्यालय में लाकर उन्हें सम्मानपूर्वक श्रद्धा अर्पित की और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अभिनय प्रस्तुत कर मां के स्नेह, त्याग और ममता को दशार्या। वहीं बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए मां के प्रति कर्तव्य और सम्मान का संदेश भी दिया। विद्यालय परिसर पूरे दिन भावनात्मक और उत्सवपूर्ण माहौल से सराबोर रहा।

विद्यालय के प्रबंधक डॉ. धर्मवीर तिवारी ने बताया कि 'मदर्स डे' के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य बच्चों और माताओं के बीच संबंधों को और मजबूत बनाना था। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में संस्कार, सम्मान और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देती हैं।

इस अवसर पर संरक्षक सुरेश तिवारी, प्रधानाचार्य ओमप्रकाश चतुवेर्दी, श्रवण कुमार पाण्डेय, अनुराग त्रिपाठी, कृष्ण देव पाण्डेय, संदीप चौहान, अमिताभ बच्चन, राजू प्रसाद, मनीष दूबे, पूजा सिंह, पूजा पाण्डेय, पायल सोनी, पूजा भारती, प्रीति, श्वेता सिंह, निधि सिंह एवं श्रेया पाण्डेय सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में पहली बार स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण की सफल शुरूआत

हृदय रोग उपचार की उन्नत सुविधा हुई शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के कार्डियोलॉजी विभाग में पहली बार स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण की सफल प्रक्रिया संपन्न की गई। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज जौनपुर में अब हृदय रोगों के उन्नत उपचार एवं पेसमेकर प्रत्यारोपण की सुविधा औपचारिक रूप से शुरू हो गई है, जिससे जनपद एवं आसपास के मरीजों को अब उपचार हेतु बाहर जाने की आवश्यकता काफी हद तक कम होगी। उपचार हेतु आए खुटहन क्षेत्र निवासी 68 वर्षीय मरीज को हृदय संबंधी गंभीर समस्या के कारण भर्ती किया गया था। चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जांच किए जाने पर यह पाया गया कि मरीज की हृदय गति अनियमित एवं अत्यंत धीमी हो रही थी, जिसके कारण स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण अत्यंत आवश्यक था।

उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए मेडिकल कॉलेज जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रोफेसर आर. बी. कमल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर ए. ए. जाफरी एवं जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार के मार्गदर्शन में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आनंद कुमार सिंह एवं उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपित किया गया।

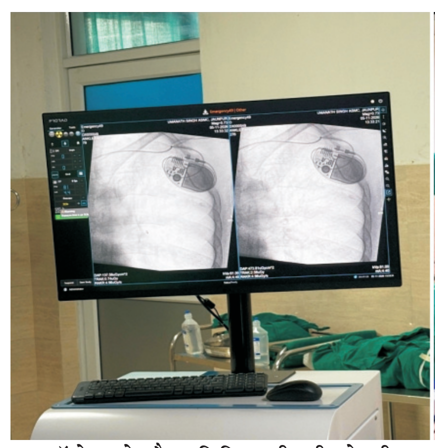

ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकीय टीम ने पूरी सावधानी एवं कुशलता का परिचय दिया। वर्तमान में मरीज की स्थिति सामान्य एवं स्थिर है तथा वह चिकित्सकीय निगरानी में है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मेडिकल कॉलेज जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रोफेसर आर. बी. कमल ने पूरी कार्डियोलॉजी टीम को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान लगातार आधुनिक एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर रहा है, ताकि जनपद के लोगों को बड़े शहरों जैसी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा सकें। उक्त सफल प्रक्रिया में डॉ. मोहम्मद शादाब, डॉ. सिद्धार्थ कुमार एवं अन्य सहायक कर्मचारी भी शामिल रहे। पेसमेकर टेक्निकल टीम में अशोक यादव, कासिफ अहमद एवं विवेक का विशेष सहयोग रहा।

लेखपाल भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

21 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 10 हजार अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लेखपाल भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आयोग के सचिव हरिकेश चौरसिया ने कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में परीक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनपद में कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां लगभग 10 हजार परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक की तैनाती की गई है। साथ ही सेक्टर मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। बैठक में परीक्षा के दिन यातायात व्यवस्था, परिवहन सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराई जाए।

बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, वरिष्ठ कोषाधिकारी, एआरटीओ, क्षेत्राधिकारी नगर, एआरएम रोडवेज, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जफराबाद पुलिस ने लूट के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना पुलिस ने मोबाइल व नगदी लूट की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन और छह सौ रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार लाडनपुर गांव निवासी सक्षम श्रीवास्तव लाइनबाजार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास दो युवकों ने उन्हें रोककर उनका मोबाइल फोन और छह सौ रुपये छीन लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट भी की।

पीड़ित की तहरीर पर शनिवार को मुकदमा दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाप्रभारी ट्रेनी आईपीएस श्रुष्टि जैन ने थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल एवं चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह को घटना के खुलासे के निर्देश दिए।

पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन के पास से रवी सिंह पुत्र राजेश सिंह निवासी वाजिदपुर तथा पुनीत अस्थाना पुत्र दिनेश चंद्र अस्थाना को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से लूटा गया मोबाइल और छह सौ रुपये बरामद हुए। थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हिण्डाल्को रेणुकूट को मिला IMC RBNQA परफॉर्मेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड

सुशील कुमार तिवारी

◆ गुणवत्ता उत्कृष्टता के क्षेत्र में हासिल की बड़ी उपलब्धि

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट ने गुणवत्ता उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रतिष्ठित 'आईएमसी आरबीएनक्यूए परफॉर्मेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड' अपने नाम किया है। यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मान नेतृत्व, रणनीति, ग्राहक संतुष्टि, परिचालन उत्कृष्टता, सुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है।

मुंबई में आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित समारोह में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने यह पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, बजाज ग्रुप के चेयरमैन नीरज बजाज और आईएमसी की अध्यक्ष सुनीता रामनाथकरन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देशभर के 50 से अधिक प्रतिष्ठित संगठनों के बीच हुए प्रतिस्पर्धात्मक मूल्यांकन में हिण्डाल्को रेणुकूट ने यह उपलब्धि हासिल की। कंपनी की ओर से जसबीर सिंह, जयेश पवार, हिमांशु श्रीवास्तव, बिजॉय सिंह एवं विवेक अग्रवाल ने पुरस्कार ग्रहण किया।

क्लस्टर हेड समीर नायक ने कहा कि यह सम्मान पूरी टीम की मेहनत, गुणवत्ता आधारित कार्य संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता स्पष्ट उद्देश्य, अनुशासित प्रक्रियाओं और निरंतर उत्कृष्ट कार्य से प्राप्त होती है।

क्लस्टर एचआर हेड जसबीर सिंह ने कहा कि हिण्डाल्को ने औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ-साथ मानव-केंद्रित कार्य संस्कृति विकसित कर नई मिसाल कायम की है। वहीं रिडक्शन प्लांट हेड जयेश पवार ने इसे टीम भावना और उत्कृष्ट कार्यशैली की जीत बताया।

यह सम्मान हिण्डाल्को रेणुकूट की मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था, गुणवत्ता आधारित कार्यप्रणाली एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है।

प्रयागराज कार्रवाई के बाद जौनपुर में भी उठी सख्ती की मांग

फर्जी यूट्यूब पत्रकारिता पर शिकंजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज पुलिस द्वारा कथित वसूलीबाज यूट्यूबर को जेल भेजे जाने की कार्रवाई ने पूरे पूर्वांचल में फर्जी पत्रकारिता और सोशल मीडिया आधारित ब्लैकमेलिंग के मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया है। इस कार्रवाई को पत्रकारिता की आड़ में चल रहे अवैध वसूली नेटवर्क पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

आज सोशल मीडिया और यूट्यूब प्लेटफॉर्म के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच बड़ी संख्या में ऐसे लोग सक्रिय हो गए हैं जो बिना किसी पत्रकारिता प्रशिक्षण, संस्थागत पहचान या वैध मान्यता के खुद को 'पत्रकार' बताकर समाज में प्रभाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कैमरा, माइक और 'प्रेस' लिखे वाहन स्टिकर का इस्तेमाल कर कुछ लोग अधिकारियों पर दबाव बनाने, विवादित मामलों में हस्तक्षेप करने और कथित सेटिंग या उगाही जैसे कार्यों में संलिप्त बताए जा रहे हैं।

जनपद जौनपुर में भी ऐसे कथित 'यूट्यूब रिपोर्टरों' की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों तथा कई प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कुछ लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस कराने, मामलों में मध्यस्थता करने और निजी लाभ लेने के लिए पत्रकारिता का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे न केवल कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि वर्षों से निष्पक्ष और जमीनी पत्रकारिता करने वाले वास्तविक पत्रकारों की साख भी प्रभावित हो रही है। आज मैंने जिले के वरिष्ठ पत्रकारों से इस संबंध में वार्ता किया सभी पत्रकारों का कहना है कि यह सही है कि प्रशासन और सूचना विभाग को ऐसे पत्रकारों को चिन्हित कर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। कहना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। कई यूट्यूब चैनल बिना किसी संपादकीय मानक या तथ्य सत्यापन के समाचार प्रसारित कर रहे हैं, जिससे भ्रम और अफवाह फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। प्रशासन के लिए भी असली और फर्जी पत्रकारों के बीच अंतर करना कठिन होता जा रहा है।

◆ कैमरा और माइक की आड़ में उगाही का खेल अब नहीं चलेगा
◆ पत्रकारिता की साख बचाने को प्रशासनिक सख्ती जरूरी

पत्रकार संगठनों और जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जिले में सक्रिय पत्रकारों का सत्यापन अभियान चलाया जाए, फर्जी प्रेस कार्ड, माइक आईडी और वाहन स्टिकर पर नियंत्रण लगाया जाए तथा थानों में अनधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही सीमित की जाए साथ ही सोशल मीडिया आधारित पत्रकारिता के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और जवाबदेही तय करने की भी मांग उठ रही है।

प्रयागराज पुलिस की हालिया कार्रवाई को कई लोगों ने एक सख्त संदेश के रूप में देखा है कि पत्रकारिता सेवा, सत्य और जनहित का माध्यम है – न कि ब्लैकमेलिंग, दबाव और उगाही का साधन। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्ती और नियमन नहीं हुआ, तो मीडिया के प्रति जनता का विश्वास गंभीर संकट में पड़ सकता है। अब सबकी निगाहें प्रशासन और सूचना विभाग की आगामी कार्रवाइयों पर टिकी हैं कि फर्जी प्रेस नेटवर्क और वसूली तंत्र पर कितना प्रभावी अंकुश लगाया जाता है।

पालघर में जनता दरबार आयोजित, नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं

पालघर। पालघर जिला में लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से एक जनता दरबार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गणेश नाइक ने की। जनता दरबार में डॉ. हेमंत सांवरा भी उपस्थित रहे। नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और मांगें अधिकारियों के सामने रखीं, जिन पर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सरकार नागरिकों की सेवा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान वसई विरार महानगरपालिका के आयुक्त और जिला कलेक्टर भी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया।

सरकारी आदेश हवा-हवाई, दुद्धी क्षेत्र के कॉन्वेंट स्कूलों में महंगे दामों पर बेची जा रही हैं प्राइवेट प्रकाशकों की किताबें

दुद्धी ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सबको शिक्षा, सबको ज्ञान की तर्ज पर प्रदेश सरकार की योजनाएं धरातल पर दम तोड़ रही हैं. दुद्धी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित निजी कॉन्वेंट स्कूल जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के सख्त निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं. नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही अभिभावकों को महंगे दामों पर निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है.एनसीईआरटी के नियमों की उड़ रही धज्जियां। शासनादेश के अनुसार स्कूलों में मुख्य रूप से एनसीईआरटी (NCERT) पुस्तकें ही लागू होनी चाहिए.सिंडिकेट का खेलः दुद्धी क्षेत्र के कान्वेंट स्कूल संदर्भ पुस्तकों (Referefce Books) के नाम पर भारी-भरकम सेट थमा रहे हैं.आर्थिक शोषणः प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा 1 से 5) के बच्चों की किताबों का सेट 5,000 से 8,000 तक बेचा जा रहा है.कमीशन का खेलः यदि यही किताबें एनसीईआरटी की होतीं तो इनकी कीमत महज 200 से 300 के बीच होती.चुनिंदा दुकानों से ही सामग्री खरीदने की मजबूरीअभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन ने नगर की चुनिंदा दुकानों को अधिकृत कर रखा है. अभिभावकों को वहीं से किताबें, कॉपियां और यूनिफॉर्म खरीदने का मौखिक दबाव दिया जाता है. बाजार के अन्य सामान्य बुक डिपो संचालक बताते हैं कि जो किताबें अधिकृत दुकानों पर मनमाने दामों पर बेची जा रही हैं, वही किताबें खुले बाजार में लगभग आधे दाम में उपलब्ध हैं महंगी किताबों के इस संगठित सिंडिकेट को लेकर स्थानीय लोगों और अभिभावकों में भारी आक्रोश है. दुद्धी बार एसोसिएशन के सचिव दिनेश कुमार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सोनभद्र जिलाधिकारी (DM) से दुद्धी क्षेत्र में एनसीईआरटी किताबें अनिवार्य रूप से लागू कराने और मनमानी करने वाले स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सैमसंग ने भारत में सर्टिफाइड री-न्यूड प्रोग्राम लॉन्च किया

पटना(उत्तरशक्ति)। सैमसंग ने भारत में अपने सर्टिफाइड री-न्यूड प्रोग्राम की शुरूआत की घोषणा की है। यह कंपनी-समर्थित पहल उपभोक्ताओं को अधिक किफायती कीमतों पर प्रीमियम गैलेक्सी स्मार्टफोन्स तक पहुंच प्रदान करती है, जिसमें गुणवत्ता, प्रदर्शन और भरोसेमंद अनुभव सुनिश्चित किया गया है। इस प्रोग्राम के तहत फ्लैगशिप और मिड-रेंज मॉडल्स सहित रिफर्बिश्ड गैलेक्सी डिवाइसेज उपभोक्ताओं को कम कीमतों पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि सैमसंग की विश्वसनीयता, सुरक्षा और बेहतर यूजर एक्सपीरियंस के मानकों को बरकरार रखा जाएगा। सैमसंग इंडिया में डीटूसी बिजनेस और कॉर्पोरेट मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड, सुमित वालिया ने कहा, ह्लसैमसंग में हमारा फोकस उपभोक्ताओं को हमारी टेक्नोलॉजी तक अधिक पहुंच प्रदान करने पर है, साथ ही गैलेक्सी डिवाइसेज से जुड़ी गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बनाए रखना भी हमारी प्राथमिकता है। सर्टिफाइड री-न्यूड प्रोग्राम इसी सोच को दशार्ता है, जो उपभोक्ताओं को अधिक किफायती कीमतों पर प्रीमियम अनुभवों तक भरोसेमंद पहुंच प्रदान करता है।

योगी मंत्रिमंडल विस्तार 2.0 में भूपेंद्र चौधरी व मनोज पांडेय कैबिनेट मंत्री व छह राज्य मंत्रियों ने ली शपथ

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार दोपहर 3.30 बजे से जन भवन में हुआ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आठ मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई। भूपेन्द्र चौधरी और मनोज कुमार पाण्डेय ने कैबिनेट मंत्री और डॉ. सोमेंद्र तोमर व अजीत पाल ने राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के पद की शपथ ली। इनके साथ कृष्णा पासवान, कैलाश सिंह राजपूत, सुरेन्द्र दिलेर व हंसराज विश्वकर्मा ने राज्यमंत्री के पद की शपथ ली। योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 में अभी मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री समेत 21 कैबिनेट मंत्री हैं। इनके साथ 14 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 18 राज्य मंत्री हैं। सरकार में 54 मंत्री हैं तो अधिकतम 60 मंत्री ही बनाये जा सकते है। बिना किसी को मंत्रिमंडल से हटाए आठ को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। योगी आदित्यनाथ सरकार एक में कैबिनेट मंत्री रहे पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी व रायबरेली के ऊंचाहार से विधायक समाजवादी पार्टी से बगावत करने वाले मनोज कुमार पाण्डेय ने कैबिनेट मंत्री के पद की शपथ ली। इनके साथ अति पिछड़ी जाति से आने वाले वाराणसी के विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, फतेहपुर की खागा सीट से विधायक अनुसूचित जाति की कृष्णा पासवान, अलीगढ़ के खैर से विधायक सुरेन्द्र दिलेर और कन्नौज के तिर्वा से विधायक कैलाश सिंह राजपूत ने पहली बार राज्यमंत्री के पद की शपथ ली। उत्तर प्रदेश जन भवन में आज आठ मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। इनमें दो राज्यमंत्रियों के कद में बढ़ोतरी की गई है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व मनोज कुमार पाण्डेय ने कैबिनेट मंत्री की पद की शपथ ली।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कोडिएक में कई नए अपडेट्स पेश किए

पटना। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी दूसरी पीढ़ी की कोडिएक में कई नए अपडेट्स पेश किए हैं। इन संवर्द्धनों के साथ, ब्रांड ने अपने लक्जरी 4 बाय 4 फ्लैगशिप को व्यापक रूप से नया स्वरूप दिया है। साथ ही, लक्जरी, ऐज इट सुड बीड के अपने दर्शन को और सशक्त किया है। नई कोडिएक की रेंज में लाउंज, स्पोर्टलाइन और सेलेक्शन एल एंड के वेरिएंट शामिल हैं। इसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 36,99,000 रखी गई है। नई कोडिएक में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम्स (एडीएएस), एलईडी मैट्रिक्स हेडलाइट्स, एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन असिस्ट, 360-डिग्री कैमरा और इंटेलिजेंट पार्क असिस्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी के अनुसार, नए अपडेट्स के जरिए बेहतर पहुँच, अधिक स्पोर्टीनेस और प्रीमियम लक्जरी का अनुभव देने पर फोकस किया गया है। इस अवसर पर स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, 2026 के इन संवर्द्धनों के साथ हमारा उद्देश्य स्पष्ट है अब हर लक्जरी 4 बाय 4 आकांक्षा के लिए एक कोडिएक उपलब्ध है, चाहे वह बेहतर पहुँच हो, अधिक स्पोर्टीनेस हो या प्रीमियम परिष्कृतता। ये नए फीचर्स पहले से ही आकर्षक इस मॉडल को और मजबूत बनाते हैं। कोडिएक लाउंज वेरिएंट को वैल्यू, स्पेस और बहुउपयोगिता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वहीं स्पोर्टलाइन वेरिएंट में मोटरस्पोर्ट से प्रेरित स्पोर्टी डिजाइन और अतिरिक्त प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं। सेलेक्शन एल एंड के वेरिएंट में कॉन्फैक लेदर अपहोल्स्ट्री, मसाज, वेंटिलेशन और हीटिंग वाली एर्गो सीट्स जैसी सुविधाएँ दी गई हैं। नई कोडिएक में 2.0 टीएसआई इंजन दिया गया है, जो 150 किलोवाट की पावर और 320 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसमें सात-स्पीड डीएसजी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन स्टैंडर्ड रूप से उपलब्ध है।

सुन्दरकाण्ड पाठ के साथ राजपुताना एकता फाउंडेशन ने मनाया राणा प्रताप जयंती

लाल शेखर सिंह ब्यूरो

वसई (उत्तर शक्ति) वसई (पूर्व) स्थित साईबाबा मंदिर प्रांगण में राजपुताना एकता फाउंडेशन द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया।श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह से परिपूर्ण यह आयोजन सामाजिक एकता,सौहार्द एवं राजपूताना समाज कर गौरव का प्रतीक बनकर उभरा, जिसमें बड़ी संख्या में स्त्री पुरुषों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। विशेष बात यह रही कि कई भाई गांव गए होने के बावजूद समाज के लोगों की भारी सहभागिता देखने को मिली। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके शौर्य, त्याग एवं राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के भीतर अपार उत्साह, भाईचारा एवं सामाजिक एकता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। इस भव्य एवं सफल आयोजन को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष डॉ. ओमनारायण सिंह, उपाध्यक्ष प्रतीक सिंह, महासचिव श्री मनोज सिंह, सलाहकार श्री उमेश सिंह, कोषाध्यक्ष श्री रणविजय सिंह, उपकोषाध्यक्ष विनय सिंह सहित सभी पदाधिकारियों एवं कमिटी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विवेक सिंह, प्रमोद सिंह, विनय सिंह (मीरा रोड), श्री अभिषेक सिंह, रमेश सिंह (नायगांव), वरिष्ठ सदस्य शिवकुमार सिंह (दहानू), वरिष्ठ सदस्य दिग्विजय सिंह, वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश सिंह, श्री ज्ञानेंद्र सिंह, श्री रणविजय सिंह, श्री नागेंद्र सिंह (बोरीवली), श्री राकेश सिंह, श्री प्रदीप सिंह, श्री आनंद सिंह सहित अनेक समाजसेवियों ने तन-मन-धन से सहयोग प्रदान किया।

विशेष रूप से मां अन्नपूर्णा कैटरर्स के संचालक अजय सिंह का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा, साथ ही यशोमणि हिंदी समाचार पत्र के कार्यकारी संपादक लालप्रताप सिंह ने संस्था को अपने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए शुभकामनाएं ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में महिला सदस्यों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को और अधिक गरिमामयी एवं प्रेरणादायक बना दिया। पूरे आयोजन में सामाजिक एकता, संस्कृति, पारिवारिक भावना एवं राजपूताना स्वाभिमान की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

राजपुताना एकता फाउंडेशन भविष्य में भी समाज को संगठित करने, सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने एवं युवाओं को प्रेरित करने हेतु ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करता रहेगा।

संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रतीक सिंह ने बताया कि,सुन्दकाण्ड कर्तव्य निष्ठा, स्वामी भक्ति और शौर्य बोध का अद्भुत संगम है।वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर सुन्दकाण्ड का आयोजन संस्था की भावनाओं के अनुकूल बड़ी

वसई में ग्रैंड नेशनल शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का आयोजन, विधायक स्नेहा दुबे पंडित रहीं मुख्य अतिथि

वसई रोड। स्नेहा दुबे पंडित ने नंदखाल, वसई वेस्ट में नंदखाल युवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित ग्रैंड नेशनल शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में स्पेशल गेस्ट के रूप में शिरकत की। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिससे पूरे आयोजन में राष्ट्रीय स्तर का उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि युवाओं में खेलों के प्रति बढ़ता रुझान और प्रतिस्पर्धात्मक भावना समाज के लिए सकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने नंदखाल युवा फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के उभरते खिलाड़ियों को उचित मंच उपलब्ध कराने का उनका प्रयास बेहद सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का प्रभावी जरिया भी हैं। ऐसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान कल्पेश नाइक, मयंक शेठ, सुधीर मेहर, कल्पेश पांडे, नंदू पवार, मयूर नाइक, सागर सावंत और निनाद नाइक सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, अधिकारी, कोच और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंदौर के द्वारकापुरी थाने के पास बने नगर निगम के जोन नंबर 14 के कार्यालय में नशे में धूत युवक ने किया जमकर हंगामा

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति) इंदौर के द्वारकापुरी थाने के पास बने नगर निगम के जोन नंबर 14 के कार्यालय में शनिवार शाम जमकर हंगामा हुआ। यहां एक शराब के नशे में धुत युवक के सिर पर नगर निगम के एक कर्मचारी ने डंडा मार दिया, वहीं अन्य कर्मचारियों ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की।

पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया है और उस पर कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, हंगामा करने वाले युवक की मानसिक हालत ठीक नहीं बताई जा रही है।

द्वारकापुरी पुलिस ने मनोज उर्फ गोलू पिता शंकर राव भोंडवे निवासी ऋषि पैलेस कॉलोनी को हिरासत में लिया है। मनोज शनिवार को नशे की हालत में थाने के पास बने नगर निगम के जोन कार्यालय में घुस गया था। इस दौरान उसने काफी देर तक हंगामा किया।नशे में धुत युवक कार्यालय में खड़ी जोन अध्यक्ष व पार्षद शानू शर्मा की गाड़ी के आगे लेट गया। उसने नगर निगम की गाड़ी में भी तोड़फोड़ करने की कोशिश की। यहां नगर निगम के मस्टरकर्मी भरत पर भी मनोज ने हमला कर दिया। इसके बाद निगम कर्मचारियों ने उसके सिर पर डंडा मार दिया।

काफी देर बाद पास में बने थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और मनोज को पकड़कर अपने साथ ले गई। जब मनोज यहां हंगामा कर रहा था, तब पुलिस और नगर निगम के कई अधिकारी वीआईपी ड्यूटी में दशहरा मैदान में मौजूद थे। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

इंदौर में बीजेपी नेता शिवेंद्र सिंह गौड़ की कार में लगी आग: फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति) भाजपा नेता शिवेंद्र सिंह गौड़ की कार में लगी आग पर फायर ब्रिगेड ने पाया काबू,इंदौर के प्रजापति नगर स्थित राम टेकरी इलाके में शनिवार रात बीजेपी नेता की कार में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड के अनुसार रात करीब 11 बजे कार नंबर **MP09WM4004** में आग लगने की सूचना मिली थी।इंदौर के प्रजापति नगर स्थित राम टेकरी इलाके में शनिवार रात बीजेपी नेता की कार में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने करीब 5 हजार लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग में कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह जल गया। कार द्वारकापुरी निवासी बीजेपी नेता शिवेंद्र सिंह गौड़ की बताई जा रही है, जो सुदामा नगर के रहने वाले हैं। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

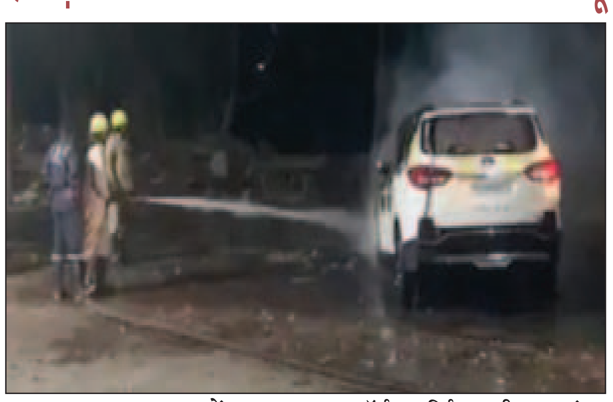

शॉर्ट सर्किट की आशंका शुरूआती जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि जांच जारी है। शिवेंद्र सिंह गौड़ प्रदेश युवा मोर्चा से जुड़े रहे हैं और क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ के रिश्तेदार भी बताए जाते हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की पूर्व संध्या पर शिवालयों में चला विशेष स्वच्छता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत सोमवार 11 मई को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय ज्योतिर्लिंग कार्यक्रम की तैयारियों के तहत रविवार को जनपद के विभिन्न शिव मंदिरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में नगर निकायों, ग्राम पंचायतों एवं संबंधित विभागों द्वारा मंदिर परिसरों की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण कराया गया।

अभियान के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिरों में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। कई स्थानों पर स्थानीय नागरिकों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी श्रमदान कर अभियान में सहभागिता निभाई।

गौरीशंकर शिव मंदिर सिंगरामऊ, मैदासपट्टी खुटहन, सोंधी विकास खंड के शिव मंदिर सहांवे, चंदापुर, लेदुका सहित विभिन्न शिवालयों में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

इस अवसर पर प्रमुख शिवालयों में मंत्रोच्चार, ओंकार जाप, महाआरती, रुद्राभिषेक, दीपोत्सव, भजन संध्या और सोमनाथ संकल्प संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं विद्यालयों में रंगोली, निबंध लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि ह्लसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्व भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा से जुड़ा गौरवपूर्ण आयोजन है। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

डॉ .ऋजुता ओमप्रकाश दुबे सुश्रुतरत्न पुरस्कार से हुई सम्मानित

प्रेम चंद मिश्रा

नवी मुंबई(उत्तर शक्ति) । श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट की विश्वस्त, नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज की स्त्री रोग प्रसुती तंत्र विभाग प्रमुख, पालघर जिले की प्रसिद्ध स्त्रीरोग प्रसूती विशेषज्ञ एवं आयुर्वेद तज्ञ डॉ. ऋजुता ओमप्रकाश दुबे इनको दिनांक 8 मई 2026 को डी.वाय.पाटील युनिव्हर्सिटी मुंबई मे आयोजित अनुशल्य जिज्ञासा इस राष्ट्रीय परिसंवाद (National Symposium of Parasurgical Procedures)मे सुश्रुतरत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया '

मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (MARBISM) एवं नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (NCISM) के प्रेसिडेंट डॉ. मुकुल पटेल, डी. वाय. पाटील स्कूल ऑफ आयुर्वेद के डीन डॉ.महेश कुमार हारित,पोदार आयुर्वेद कॉलेज वरळी की डीन डॉ.संपदा संत,कार्यक्रम आयोजन के चेअरमन डॉ. अमरप्रकाश द्विवेदी,डी. वाय. पाटील संस्था की व्यवस्थापक विश्वस्त राजलक्ष्मी पाटील, आयुर्वेद व्यासपीठ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.विनय वेलणकर व अन्य मान्यवरों के उपस्थिती में यह पुरस्कार प्रदान किया गया'

पालघर जिले में आयुर्वेद शिक्षा, स्त्रीरोग प्रसुती (gynaec-obstetrics) और महिलाओ की आरोग्य सेवा क्षेत्र के योगदान, समर्पण एवम कार्य को ध्यान में रखते हुए उन्हे सम्मानित किया गया'

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के लिए यह गर्व का क्षण है ' उन्होने अपने चिकित्सकीय कालावधी मे किये हुए कार्य का यह एक सन्मान है' महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ.ओमप्रकाश दुबे, संपूर्ण दुबे परिवार,नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेंडे, सभी अध्यापक, विद्यार्थी अध्यापकेतर कर्मचारी एवं रुग्णालयीन कर्मचारी इन्होने डॉ. ऋजुता दुबे इनका मनःपूर्वक अभिनंदन किया है'

उनके अग्रीम कार्य के लिये शुभकामनाये दी'

राजन नाईक ने छत्रपति शिवाजी महाराजस्व शिविर में हिस्सा लिया

वसई रोड। छत्रपति शिवाजी महाराजस्व समाधान शिविर अभियान के तहत खुला रंगमंच, छेड़ा नगर, नालासोपारा पश्चिम में आयोजित कैंप में शामिल होकर नागरिकों की रेवेन्यू से जुड़ी अलग-अलग समस्याओं और शिकायतों के बारे में जाना। यह कैंप आम नागरिकों तक अलग-अलग सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंचाने और रेवेन्यू डिपार्टमेंट की सेवाओं को नागरिकों तक और असरदार बनाने में बहुत मददगार रहा। इस मौके पर मेरे साथ तहसीलदार माननीय दीपक गायकवाड़, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, जिला महासचिव मनोज बारोट, नगरसेवक पंकज देशमुख, गणेश पाटिल, जितेंद्र पाटिल के साथ-साथ पूर्व नगरसेविका श्रीमती सुषमा दिवेकर और दूसरे पदाधिकारी मौजूद थे। आम नागरिकों की समस्याओं को तुरंत हल करने और सरकारी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने का काम इस महाराजस्व समाधान शिविर के जरिए असरदार तरीके से किया जा रहा है। नागरिक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए और अलग-अलग सेवाओं का फायदा उठाया।